8 क्लास रेडिनेस प्रोग्राम से बच्चों में खिल रही प्रतिभा

8 नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को संसद में गिरा कर कांग्रेस.....

An ISO 9001:2008 Certified School (Affiliated to C.B.S.E New Delhi)

MOTILAL NEHRU PUBLIC SCHOOL · URBAN ESTATE, JIND · EDUCATE · INNOVATE · CREATE

MOTI LAL NEHRU PUBLIC SCHOOL

Futuristic School With A Difference

Educate • Innovate • Create

Revolution of Success is going on ......

School Toppers of Class X (Session 2025-26)

1st

ISHIKA (98.2%)

TARAEE ZAMEEN PER

APPRECIATING THE EXCELLENCE
AWARDING WITH SCOOTY

2nd

SHINIKA (97.2%)

STUDENTS SECURING ABOVE 95 %

MEHUL SHIRA (95.8%)

RUDRAKSHI (95.8%)

VIVEK (95.6%)

SUBJECT WISE HIGHEST MARKS

INFORMATION TECHNOLOGY	SCIENCE	ENGLISH	SOCIAL STUDIES	HINDI	MATHEMATICS
100%	99%	99%	99%	98%	98%

OUR MERITORIOUS STUDENTS

KHYATI (94.6%) · KIRTI VERMA (94.6%) · ANNU (94.6%) · KRITIKA (93.8%) · ANGEL (93.6%) · MANNAT (93.2%) · TANUJ (92.2%)

JANVI (91.4%) · DISHITA NARWAL (91%) · KAMAKSHI (91%) · AARZU (90.4%) · HARSHIT (89.2%) · YOGESH (87.6%) · VANSH GOSWAMI (86.6%)

DHAIRYA (86.4%) · AKANSHA (86.4%) · GITANSH BAROTH (86.2%) · SURBHI (86.2%) · HARDIK JAGLAN (86%) · MANSI (85 %) · VISHAVJEET (83.8%)

BHAWNA SAMRIWAL (84.4%) · GARVISH GARG (84%) · SHIKSHA (83.2%) · AARAV SHARMA (82%) · MANNAT (81.8%) · PARTIGYA (81.6%) · AAYUSH (81.6%)

LAKSHAY (81.4%) · ASHISH (80.6%) · RONAK (80%) · JATIN KUMAR (79.6%) · VANSH (79%) · ANSHIKA YADAV (79%) · JYOTI (79%)

AARUSHI MALIK (78.2%) · DEV (77.8%) · DEVANSH DHANDA (77.2%) · RITIKA (76.2%) · YASH (76.2%) · PARTHIV RANGA (76%) · UTTANK SHARMA (75%)

NEET-IIT-JEE/CA/CPT/CLAT/ NDA/ OLYMPIAD/FOUNDATION

MOTILAL NEHRU PUBLIC SCHOOL

SCHOOLING+ COACHING

सपना सफलता का तो तैयारी बेमिसाल होनी चाहिए

सीकर की Expert Faculties

से पढ़े और बचायें 3 लाख रूपये तक

SPECIAL SCHOLARSHIP

For Students Seeking Admission in 10+1
Schooling & Coaching
Classes by :
IIT/NIT Background Faculties
- Doubt Session
- Study Material
- Regular Test Series
- Smart Classes & Library

ADMISSIONS ARE IN PROGRESS.

Nursery to IX & XI (All Streams)

☑ Medical ☑ Non-Medical
☑ Commerce ☑ Humanities

The Road to Success Starts Here ...

Goals · Coaching · Guidance · Training · Motivation · Knowledge · Support · Success

Hardwork never goes unrewarded

Congratulations! Parents, Staff and Students for Commendable Performance

MOTI LAL SCHOOL FAMILY WISHES YOU A BRIGHT FUTURE AHEAD .....

B-Block Sector 10, Urban Estate,Jind (Hry.) ☎ 8168745005, 9467383363,9812812008

www.mlnpsjind.edu.in @mlnps @motilalnehrupublicschool @mlnps_jind

खबर संक्षेप

जनगणना को लेकर अध्यापकों को दी ट्रेनिंग

अलेवा। श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वमावि उचाना कलां में जनगणना ट्रेनिंग को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नायब तहसीलदार अशोक कुमार ने की तथा मुख्य रूप से एसडीएम उचाना रमित यादव ने भाग लिया। ट्रेंनर के रूप में सुपरवाइजर रमेश कुमार तथा रविंद्र कुमार गर्ग ने भाग लिया। इस दौरान अध्यापकों को जनगणना को लेकर छठे गुरप की ट्रेनिंग दी। नरेंद्र श्योकंद ने बताया कि श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना कलां में 2026-27 की जनगणना को लेकर अध्यापकों को ट्रेंनिग दी गई।

दिग्विजय की मानसिकता आई सामने : सुरेंद्र खरकभूरा

उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि जो न विधायक है और न सांसद ऐसे जजपा के नेता दिग्विजय चौटाला मुख्यमंत्री नायब सिंह सैणी के लिए आपत्तिजनक और अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। 24 घंटे दिन-रात जनता की सेवा करने वाले मुख्यमंत्री के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। पहले विश्वविद्यालय में दंगे करवाते है और फिर सस्ती टीआरपी के लिए अपने भाई से भी आगे निकल कर बड़ा नेता बनना चाहते हैं। याद रखिएए जनता सब देख रही है। सत्ता जाने की सनक ऐसी ही होती है।

युवा विकास समिति का रक्तदान शिविर कल

जींद। युवा विकास समिति द्वारा 20 अप्रैल को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति अध्यक्ष एवं जिला युवा पुरस्कार विजेता प्रदीप रेढू ने बताया कि रक्तदान शिविर के मुख्यअतिथि डेयरी संगठन के प्रधान रमेश ढिल्लो शिरकत करेंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान, धर्मराज , राजेंद्र सोनी, सूरजमल शर्मा आदि होंगे। शिविर की अध्यक्षता डा. सोनू अहलावत करेंगे।

जिले में गेहूं खरीद व उठान का कार्य जारी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिले की सभी अनाज मंडियों में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी है और विभिन्न सरकारी एजेंसियां पूरी तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में खरीद, उठान, गेट पास और बारदाना से जुड़ी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। डीसी ने कहा कि खरीदे गए गेहूं का समयबद्ध उठान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जिससे मंडियों में अनाज का अनावश्यक जमाव न हो। साथ ही मंडियों में साफ-सफाई, पेयजल, बिजली और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

आधुनिक तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा

जींद। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से बागवानी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न विशेष अनुदान योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से सब्जियों, मशरूम एवं आधुनिक तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिससे किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर अधिक लाभकारी विकल्प अपना रहे हैं। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सब्जियों की खेती पर किसानों को 15 हजार से 25 हजार रुपये प्रति एकड़ तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

पशु चोरी करने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। एवीटी स्टाफ पुलिस ने उत्तर प्रदेश के शामली निवासी सारिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित को शनिवार को अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजने के निर्देश दिए हैं। एवीटी स्टाफ इंचार्ज उपनिरीक्षक यशवीर सिंह ने बताया कि थाना जुलाना में जुलाना निवासी अजय ने बताया कि गांव जैजैवंती में उसकी भैंसों की डेयरी है। अज्ञात लोग उसकी डेयरी से चार भैंसों को चोरी कर ले गए। अजय ने बताया कि चारों भैंसों की कीमत नौ लाख रुपये थी।

विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग ले रहे बच्चे

क्लास रेडिनेस प्रोग्राम से बच्चों में खिल रही प्रतिभा

बच्चे खेल-खेल में सीख रहे नई बातें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। क्लास रेडिनेस कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

शिक्षा विभाग द्वारा संचालित क्लास रेडिनेस प्रोग्राम बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों को खेल-खेल में सीखने, अपनी प्रतिभा को पहचानने और आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्ति करने का अवसर प्रदान करना है। जिले के सभी प्राथमिक विद्यालयों में चल रहे इस 45 दिवसीय कार्यक्रम ने बच्चों के सीखने के तरीके में सकारात्मक बदलाव लाया है। कार्यक्रम के तहत बच्चे विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। कहीं बच्चे रंगों से अपनी कल्पनाओं को कागज पर उतार रहे हैं, तो कहीं मिट्टी से सुंदर खिलौने और आकृतियाँ बना रहे हैं। कुछ बच्चे समूह में मिल कर गीत, नाटक और कहानी कहने जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति को निखार रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना को विकसित करना है। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हनुमान नगर में जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ ने आज क्लास रेडिनेस प्रोग्राम का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों की गतिविधियों को बारीकी से देखा और शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम बच्चों को सीखने के लिए तैयार करने का एक सशक्त माध्यम है। इस पहल के माध्यम से बच्चे न केवल पुरानी कक्षाओं की अधूरी दक्षताओं को पूरा कर रहे हैं बल्कि नई कक्षा के अनुरूप ज्ञान और कौशल भी अर्जित कर रहे हैं। राजेश वशिष्ठ ने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक विद्यालयों में यह कार्यक्रम समान रूप से संचालित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यालय में शिक्षकों को स्किल पास बुक और शिक्षक मॉड्यूल उपलब्ध कराए गए हैं, जिनके माध्यम से वे बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बिना डर के सीखने का वातावरण देना है ताकि वे अपनी जिज्ञासाओं को खुलकर व्यक्त कर सकें और स्वयं करके सीखने की आदत विकसित कर सकें। उन्होंने आगे बताया कि क्लास रेडिनेस प्रोग्राम के अंतर्गत बच्चों को अभिव्यक्ति, नेतृत्व, सहयोग, समस्या समाधान और रचनात्मकता जैसी जीवन कौशलों से परिचित कराया जा रहा है। बच्चे समूह में मिल कर कार्य करते हैं, जिससे उनमें टीम भावना और सामाजिक समरसता का विकास होता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जो बच्चों को प्रेरित करते हैं कि वे स्वयं सोचें, प्रयोग करें और अपने अनुभवों से सीखें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा बनाई गई ड्राइंग, पेंटिंग और मिट्टी के खिलौनों ने विद्यालय का वातावरण रंगीन बना दिया है। दीवारों पर सजे बच्चों के चित्र उनकी कल्पनाशक्ति और रचनात्मक सोच का प्रमाण हैं। कई बच्चों ने अपने चित्रों के माध्यम से प्रकृति, परिवार, विद्यालय और समाज के प्रति अपने विचारों को व्यक्त किया। वहीं, मिट्टी से बने खिलौनों में बच्चों की कलात्मकता और धैर्य झलकता है। जिला समन्वयक ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक बच्चे की रुचि और क्षमता के अनुसार गतिविधियां निर्धारित करें ताकि हर बच्चा अपनी गति से सीख सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं है, बल्कि बच्चों में सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना भी है। क्लास रेडिनेस प्रोग्राम इसी दिशा में एक सार्थक कदम है।

प्राथमिक विद्यालय हरनामपुरा ने जिले में सबसे सुंदर स्कूल का खिताब जीतकर लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राजकीय प्राथमिक विद्यालय हरनामपुरा।

कहते हैं कि ठान लो तो जीत है और मान लो तो हार है। कोई व्यक्ति या व्यक्ति, समूह जब किसी काम को करने की ठान लेता है तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय हरनामपुरा के स्टाफ ने गत वर्ष ही ठान लिया था कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय हरनामपुरा को सबसे सुंदर स्कूल का खिताब दिलवाना है। इसके लिए पंचायत, स्टाफ सदस्य एवं ग्रामवासियों के सहयोग से पूरे विद्यालय में भवन को पेंट, सी सी टीवी कैमरे, पौधे, गमले, पार्क निर्माण, मुख्य इमारत एवं चारदिवारी पर पेंटिंग, मुख्य द्वार, स्टेज निर्माण, पूरे फर्नीचर सहित व्यवस्थित पुस्तकालय कबाड़ में पड़े बैंचों की मुरम्मत करवा कर उन पर बोर्ड व सनमाइका लगवा क र बच्चों के बैठने की उचित व्यवस्था की। कल्चरल एक्टीविटी के लिए बच्चों को अपने खर्च पर तैयार करके राष्ट्रीय स्तर तक का सफर, कचरा निपटान, सामान्य व शौचालय सफाई, जल प्रबंधन की व्यवस्था करना और सौंदर्यीकरण प्रतियोगिता में 400 अंकों में से जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए और एक लाख रुपये का इनाम जीता। गत दिनों अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई। जिसके सदस्य जिला वन अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रहे। कमेटी ने जिला जींद के सातों खंडों में प्रथम रहे। विद्यालयों का निरीक्षण किया तथा पाया कि जिले में उत्कृष्ट विद्यालय जो कि सभी मापदंडों पर खरा उतरा प्राथमिक स्कूल हरनामपुरा है।

जींद। पत्र भेजने से पहले बैठक करते माजरा खाप प्रतिनिधि। फोटो :हरिभूमि

अश्लीलता को रोकने के लिए कदम उठाए सरकार

जींद। माजरा खाप पंचायत ने हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया को पत्र लिखा है। पत्र के माध्यम से समाज में फैल रही अश्लीलता को लेकर मुख्यमंत्री को इसे रोकने के लिए कहा है। इससे पहले माजरा खाप पंचायत जींद की बैठक प्रधान गुरविंदर सिंह संधू, महासचिव महेंद्र सिंह सहारण की अध्यक्षता में हुई। कहा कि माजरा खाप पंचायत लंबे समय से इस अश्लीलता को लेकर सरकार से इस पर रोक लगाने की मांग कर रही थी। गंद कल्चर व गन कल्चर को लेकर सोशल मीडिया पर माजरा खाप पंचायत ने जमकर आवाज बुलंद की। सरकार ने माजरा खाप की आवाज भी सुनी और सरकार ने सैंकड़ों गंदे गानों को सोशल मीडिया से हटवाने का काम किया। कलाकारों पर तो गंदा परोसने पर प्रतिबंध लगाएं ही साथ में सोशल मीडिया पर बहुत सी बहने पैसा कमाने के चक्कर में बिल्कुल बेशर्मी से नंगा व गंदा परोस रही हैं, उनकी आईडी डिलीट करनी चाहिए व कानून बनाया जाए।

रिटायर्ड कर्मियों की मांगों को पूरा करे सरकार

जींद। रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन की बैठक उप प्रधान परवार सिंह बूरा की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला जींद में हुई। मीटिंग का एजेंडा महासचिव कुलदीप सिंह गोयत ने पेश किया। बैठक में सर्वप्रथम वरिष्ठ उप प्रधान खजान सिंह खटकड़ ने बताया की रिटायर्ड कर्मचारियों द्वारा जायज मांगों के ज्ञापन समय-समय पर मंत्रियों व विधायकों को दिए जाते रहे हैं लेकिन अभी तक उन पर कोई विचार नहीं किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अनुरोध है कि रिटायर्ड कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल को बुलाकर उनकी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। अध्यक्ष परवार ने बताया कि सरकार ने पूर्व में एचटैट में छूट देते अनुभव के आधार पर कुछ को नियुक्तियां दी थी। अब सरकार उन अध्यापकों को जिनकी नियुक्ति एचटैट में छूट देते की थी और अब उनमें से जिनकी सेवाएं पांच वर्ष से अधिक की बाकी हैं उनको वर्ष 2027 तक एचटैट पास की शर्त लगा दी है।

मनरेगा बचाव के लिए हड़ताल 15 को

जींद। धागा मिल कालोनी स्थित मजदूर भवन में मनरेगा और ग्रामीण मजदूरों के बीच में काम करने वाले राज्य स्तरीय संगठनों की बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर बनी नरेगा संघर्ष मोर्चा तालमेल कमेटी की तर्ज पर राज्य स्तरीय तालमेल कमेटी का गठन किया गया। अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के राज्य महासचिव राजेंद्र तालमेल कमेटी के संयोजक और हरियाणा खेत मजदूर यूनियन के राज्य महासचिव जिले सिंह को सह संयोजक चुना गया। तालमेल कमेटी में 15 से ज्यादा संगठनों के राज्य प्रधान एवं राज्य महासचिवों को शामिल किया गया। तालमेल कमेटी ने 15 मई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए जोरदार अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता दरियाव सिंह कश्यप और जमाल सिंह ने संयुक्त रूप से की गई।

जींद। बैठक को संबोधित करते मजदूर नेता। फोटो :हरिभूमि

जींद। शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकते भाकियू कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

भाकियू ने शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

जींद। नए फसल खरीद नियम के विरोध में शनिवार को भारतीय किसान यूनियन ने शिक्षा मंत्री का पुतला फूंक कर रोष व्यक्त किया। इससे पहले भाकियू कार्यकर्ताओं ने अनाज मंडी में धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरनारत भाकियू कार्यकर्ताओं को संबोधित करते जिला प्रधान बिंद्र नंबरदार, जिला प्रेस प्रवक्ता रामराजी ढुल पोंकरीखेड़ी, सतेंद्र कोथ ने कहा कि जब तक सरकार का यह तुगलकी फरमान वापस नहीं लेती तब तक हर रोज एक मंत्री या विधायक का पुतला दहन किया जाएगा। ऐसे में भाकियू का ऐलान है कि जल्द से जल्द सरकार फसल खरीद के नए नियमों को वापस ले। अगर जल्द ही यह नियम वापस नहीं लिए गए तो 19 अप्रैल को मार्केट कमेटी कार्यालय के सामने चल रहे भाकियू के धरने पर बड़ा फैसला लिया जाएगा।

वाटर कूलर की करवाई सफाई

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संत शिरोमणि नामदेव राजकीय महाविद्यालय जींद इकाई द्वारा विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही है। इसी कड़ी में एबीवीपी इकाई ने महाविद्यालय के प्राचार्य को ज्ञापन सौंप कर कॉलेज परिसर में लगे वाटर कूलरों की तुरंत साफ.-सफाई करवाने की मांग की थी ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। एबीवीपी ईकाई अध्यक्ष राजकुमार ने ज्ञापन के माध्यम से प्राचार्य के संज्ञान में लाया कि कॉलेज परिसर में लगे कई वाटर कूलरों की लंबे समय से उचित सफाई नहीं हुई थी। जिसके कारण उनमें गंदगी जमा हो चुकी थी। गर्मी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी कॉलेज आते हैं। ऐसे में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था होना अत्यंत आवश्यक है।

जींद। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते एबीवीपी कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय अलेवा में स्व .गणना सेमिनार में उपस्थित स्टाफ।

स्वगणना सेमिनार का आयोजन

अलेवा। राजकीय महाविद्यालय अलेवा में जनगणना के अंतर्गत स्वगणना सेमिनार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य मनीष कुमार ने की। इस दौरान महाविद्यालय के डा. मनोज. डा. अमरदीप. डा. प्रदीप. चांद राम. डा. सोनू. डा. राहुल. डा. मंजीत फ ील्ड ट्रेनर ने सभी टीचिंग व नान टीचिंग स्टाफ सदस्यों को स्व गणना के बारे में विस्तृत रूप से समझाया। महाविद्यालय की सभी छात्र व छात्राओं को सेंसस पोर्टल के विभिन्न चरण के बारे में 30 अप्रैल तक आनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण भर सकते है, इसकी जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय की उप प्राचार्या व सेंसस नोडल अधिकारी सुनीता दुग्गल ने बताया कि पोर्टल पर दर्ज आंकड़े पूरी तरह से सुरक्षित रहेंगे और इसका उपयोग नियमानुसार किया जाएगा।

छात्तर सब यार्ड में गेहूं के सीजन में शुरू धर्मकांटे का शुभारंभ करते विधायक देवेंद्र अत्री।

छात्तर सब यार्ड में धर्मकांटा प्रारंभ

उचाना। गेहूं के सीजन में छात्तर सब यार्ड में धर्मकांटा शुरू होने से नौ गांवों के किसानों की मांग पूरी हुई है। सब यार्ड बनने के बाद से किसान, आढ़तियों द्वारा धर्मकांटे की मांग की जा रही थी। 18.74 लाख की लागत से बने धर्मकांटे का शुभारंभ शनिवार को विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा किया गया। यहां पर डाहोला, थुआ, छात्तर, कुचराना कलां, कुचराना खुर्द, करसिंधु, गुरूकुल खेड़ा, लोधर, मांडी से किसान फसल के सीजन में फसल लेकर आते हैं। गेहूं की ट्राली का वजन करवाने के लिए किसानों को सब यार्ड से करीब पांच किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। अब यहां पर धर्मकांटा शुरू होने से किसानों के समय की बचत होगी। सब यार्ड में फसल लेकर आने पर वहीं पर उनकी ट्राली का वजन हो जाएगा। विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को संसद में गिरा कर कांग्रेस ने कब्र खोदने का काम किया : डा. पुष्पा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक करते हुए डॉ. पुष्पा तायल। फोटो :हरिभूमि

नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल के संसद में पास न होने पर कांग्रेस पर आक्रोश करते हुए भाजपा नेत्री व जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कहा कि इस बिल को संसद में पास होने से रोकने वाली कांग्रेस को महिला शक्ति कभी भी माफ नही करेगी। बड़े शर्म की बात है इस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने महिला होते हुए भी इस बिल का विरोध किया। तायल ने गुस्से का इजहार करते हुए कहा कि आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों, खेलों, सेना, पढ़ाई में अग्रणी पंक्ति में है तो लोकसभा व विधानसभा में जहां नीतियां बनाई जाती है, उसमें बराबरी की हकदार क्यों नहीं हो सकती। कांग्रेस की सोच है महिलाएं केवल चौके चूल्हे तक सीमित रहे। तायल ने कहा कि आज की बेटियों ने देश के लिए खेलों में मेडल ला कर देश के गौरव को बढ़ाने का काम किया है। सेना में बेटियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। मगर बड़े दुख की बात है कि जब देश के प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सम्मान देते हुए 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को को संसद में लाने का काम किया तो कांग्रेस ने इस बिल को गिरा कर अपनी कब्र खोदने का काम किया। तायल ने कहा हम गांव गांव जाकर कांग्रेस के इस जघन्य अपराध को महिला शक्ति को बताएंगे और कांग्रेस की आने वाली पीढ़ियां भी सत्ता का सुख नहीं भोग पाएंगी।

जनगणना देश के विकास की आधारशिला : पूनम मोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हिंदू कन्या कालेज की प्रबंधक समिति द्वारा स्वगणना जागरूकता अभियान का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर की अध्यक्षता में किया गया। अभियान 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य आमजन, विशेषकर छात्राओं को जनगणना में स्वगणना के महत्व एवं प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर प्राचार्या पूनम मोर ने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है और इसमें प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। स्वगणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सुलभ बनती है। जनगणना समिति की नोडल अधिकारी डा. नीलम रानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी, कार्यशाला इत्यादि विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं भी स्वगणना करें और अपने परिवार एवं समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम की सहसंयोजिका डा. सुषमा गर्ग एवं आरती सैनी ने कहा कि स्वगणना की प्रक्रिया को अपनाकर हम न केवल समय की बचत कर सकते हैं बल्कि देश के सटीक आंकड़े तैयार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से हो रही अस्पताल की रिपेयर

जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की रिपेयर की जगह हो रही सिर्फ खानापूर्ति

- स्वास्थ्य कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार काम में लापरवाही बरत रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग जर्जर हालत कई वर्षों से बनी हुई थी। छत से सरिया भी दिखाई देता है। कई बार तो छत से कंकरीट कर्मचारियों के उपर भी गिर रही थी। विभाग द्वारा कई बार इसकी रिपेयर की मांग की गई। सरकार ने रिपेयर के लिए डेढ़ करोड़ की राशि मंजूर की। रिपेयर का काम शुरू होने पर स्वास्थ्य कर्मचारियों ने देखा कि रिपेयर की जगह सीधी वाल पुट्टी लगा कर खानापूर्ति की जा रही है। दीवारों से ईंटें भी दिखाई दे रही हैं और छत पर सरिया भी दिख रहा है। कई जगह बड़ी-बड़ी दरारें आई हुई हैं। दरारों को भी वाल पुट्टी से ही भरा जा रहा है। अभी जुलाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सों के कमरों की रिपेयर का काम चल रहा है। जहां पर दीवारों में पीपल के पौधे उगे हुए हैं। पौधों को उखाड़ने की बजाए सीधी पुताई की जा रही है। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार काम में लापरवाही बरत रहा है। कई बार कर्मचारियों ने काम बंद करने के लिए भी बोला लेकिन ठेकेदार ने काम बंद नही किया। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मांग की है कि इमारत की रिपेयर का काम सही ढंग से किया जाए।

ये रहे मौजूद

पीडब्ल्यूडी विभाग के एक्सईएन राजकुमार नैन ने बताया कि अभी तक ऐसा मामला संज्ञान में नही आया है। अगर काम में लापरवाही बरती जा रही है जो जांच की जाएगी।

गर्भवती मिली बाल वधु पति समेत तीन पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नाबालिग के गर्भवती होने पर पता चला कि वह बालवधु बनी है। पति की उम्र भी कानूनन कम है। जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी की शिकायत पर अलेवा थाना पुलिस ने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ बाल विवाह निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी सुनीता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें स्वास्थ्य विभाग से सूचना मिली थी कि नाबालिग लड़की गर्भवती है और वह स्वास्थय जांच के लिए आई है। खुद को शादीशुदा बता रही है। गर्भवती के साथ आया युवक खुद को पति बता रहा है। सूचना के आधार पर जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी गर्भवती तथा उसके पति से मिली। पुलिस ने जब गर्भवती के दस्तावेज जांचें तो उसकी जन्म तिथि 19 सितंबर 2009 मिली। जिसके हिसाब से गर्भवती आयु साढ़े 15 साल पाई गई। जबकि उसका पति मनदीप बालिग मिला। जिसकी जन्मतिथि 18 फरवरी 2006 पाई गई। जो की बीस साल बनती है। जबकि कानूनन लड़के की उम्र 21 साल होना जरूरी है। दोनों की शादी गत 26 अगस्त को जम्मू में होना पाया गया। जिसमें गर्भवती के माता तथा सौतेले पति की शामिल होना पाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दोबारा पास कराया जाएगा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का बिल

नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार फसल का दाना-दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध : जिन्दल

सांसद नवीन जिन्दल ने अनाज मंडी का दौरा किया

- सांसद नवीन जिन्दल ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में सुनी जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत। सांसद नवीन जिंदल किसानों से बातचीत करते हुए तथा पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा के साथ गेहूं खरीद का जायजा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 131वां संशोधन बिल पास ना होना विपक्ष की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पूरे विपक्ष ने एकजुट होकर देश की करोड़ों महिलाओं के अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इरादे इतने मजबूत हैं कि इस बिल को दोबारा प्रस्तुत करके महिलाओं को उनका सम्मान हर हाल में दिलाया जाएगा। सांसद नवीन जिन्दल कलायत अनाज मंडी स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने मंडी में किसानों से बातचीत करके गेहूं खरीद प्रबंधों का जायजा लिया।सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार फसल का दाना- दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। मंडियों में पारदर्शिता लाने के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम सहित कई नई व्यवस्थाएं लागू की गई है। इसका उद्देश्य यही है कि सरकार किसानों के हित में जो योजनाएं लेकर आ रही है। उनमें कोई भ्रष्टाचार ना हो और सीधा लाभ किसानों को मिले । उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आई क्रांति के कारण पैदावार लगातार बढ़ती जा रही है। तकनीकी खेती और उन्नत बीजों से फसल की पैदावार अधिक हो रही है। ऐसे में मंडियों में जगह कम पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वे विचार करेंगे कि विदेशों में फसलों को कैसे मैनेज किया जाता है ताकि यहां भी इसी तरह की छोटी-छोटी व्यवस्थाएं लागू करके फसल को स्टोर करके खराब होने से बचाया जा सके। खेलों को लेकर सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि उन्होंने अपनी टीम को निर्देश दिए हुए हैं कि जहां-जहां स्टेडियम हैं। उनकी पहचान करके रिपोर्ट तैयार की जाए ताकि इस सरकार के संज्ञान में लाकर इन स्टेडियमों को खिलाड़ियों के खेलने लायक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने का एकमात्र जरिया केवल खेल हैं। इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी बताया कि दिशा मीटिंग में अधिकारियों को जो टारगेट दिया जाता है। अगली बैठक में वे स्वयं इसकी समीक्षा लेते हैं। यदि कोई अधिकारी गुमराह करने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी होगी। पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि सरकार अपना काम ईमानदारी से कर रही है। लेकिन कुछ लोग किसानों को भ्रमित करके माहौल खराब करना चाहते हैं । उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल और केवल किसान और उसके हित है ।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उनके साथ तुषार ढाण्डा, राजकिशन राणा मार्किट कमेटी चैयरमेन कलायत, अंकित राणा नगरपालिका चैयरमेन कलायत, सचिन प्रतिनिधि चैयरमेन नगरपालिका राजौंद, विरेन्द्र राविश मार्किट कमेटी चैयरमेन राजौंद, राजीव राणा मण्डल अध्यक्ष कलायत, नरेंद्र जुलानी खेड़ा मण्डल अध्यक्ष बालू, अनिल मलिक मण्डल अध्यक्ष जाखौली, नरेश ढाण्डा किठाना, मैनपाल राणा, राकेश कंसल, सरपंच अशोक रामगढ़, कुड़ा राम, कुलविंदर राणा जिला उपाध्यक्ष भाजपा, राहुल राणा जयदीप राणा कलायत, सुमन राणा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विभिन्न गांवों के सरपंच-पंच और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न एजेंसियों ने जिले की मंडियों में की 4 लाख 76 हजार 414 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

कैथल। जिला में विभिन्न एजेंसियों द्वारा बुधवार तक कुल 4 लाख 76 हजार 414 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद गई है। जिले में गेहूं की कुल आवक में से एक लाख 61 हजार 432 मीट्रिक टन गेहूं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा, दो लाख 5 हजार 281 हैफेड द्वारा तथा एक लाख 9 हजार 701 मीट्रिक टन गेहूं हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा खरीदा गया है। डीसी अपराजिता ने बताया कि अगोंध मंडी में 6241 मीट्रिक टन, अरनोली मंडी में 5095 मीट्रिक टन, बाबा लदाना में 14558 मीट्रिक टन, बडसिकरी खुर्द में 7484 मीट्रिक टन, बलबेहड़ा मंडी में 3049 मीट्रिक टन, बालू मंडी में 7708 मीट्रिक टन, बरटा मंडी में 6250 मीट्रिक टन, बाउपुर में 910 मीट्रिक टन, भागल में 5650 मीट्रिक टन, भुसला में 4945 मीट्रिक टन, चीका मंडी में 34258 मीट्रिक टन, चीका अतिरिक्त मंडी 52956 मीट्रिक टन, डीग मंडी में 2428 मीट्रिक टन, धनोरी में 6777 मीट्रिक टन, फर्श माजरा में 2500 मीट्रिक टन, गोहरा में 5792 मीट्रिक टन, गुहणा में 1659 मीट्रिक टन, हाबड़ी मंडी में 5695 मीट्रिक टन, जाखोली मंडी में 4366 मीट्रिक टन, कैलरम में 3845 मीट्रिक टन, कैथल पुरानी मंडी में 6706 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई।

उठान कम होने से मंडी पूरी तरह से गेहूं से अटी

कैथल। जिले की अनाज मंडियों में इन दिनों गेहूं की आवक तेज रफ्तार से हो रही है, लेकिन उठान की सुस्त प्रक्रिया ने व्यवस्थाओं को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। हालात यह हैं कि मंडियां गेहूं के कट्टों से भर चुकी हैं। इससे किसानों को अपनी फसल उतारने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल रही, वहीं आढ़तियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार अब तक करीब 1 लाख 10 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है, लेकिन मंडियों में अभी भी लगभग 22 लाख कट्टे पड़े हुए हैं। किसानों का कहना है कि एजेंसियों की धीमी कार्यप्रणाली के चलते उन्हें कई दिनों तक अपनी फसल बेचने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि खरीद के आंकड़े संतोषजनक हैं।

खबर संक्षेप

महात्मा हंसराज के जन्म दिवस पर किया हवन

सीवन। महात्मा हंसराज के जन्मदिवस के अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल, सीवन में एक श्रद्धापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने मिलकर हवन किया और वातावरण को वैदिक मंत्रोच्चारण से पवित्र एवं आध्यात्मिक बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत हवन से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ भाग लिया। यज्ञ के दौरान उच्चारित वैदिक मंत्रों ने पूरे परिसर को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

चेक बाउंस के मामले में उद्घोषित अपराधी काबू

कैथल। पीओ पकडो स्टाफ प्रभारी एस आई ओमप्रकाश की अगुआई में पुलिस टीम द्वारा चेक बाउंस मामले में पीओ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एएसआई महा सिंह द्वारा आरोपी गांव बधाना लांबा खेड़ी निवासी तिलक राज को गिरफ्तार किया गया। जो वर्ष 2020 दौरान चेक बाउंस मामले में अदालत द्वारा 15 जनवरी 2026 को पीओ घोषित किया गया था।

चोरों ने हजारों का सामान चुराया

कैथल। गांव कैलरम में खेत में बने कोठे का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपए का सामान चोरी कर लिया। कलायत थाना पुलिस ने किसान की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कैलरम निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि उसके खेत पावर हाउस से आगे स्थित हैं। 16 अप्रैल की रात चोर उसके खेत में बने कोठे का ताला खोलकर अंदर घुस गए और वहां से गैस सिलेंडर, इन्वर्टर, बैटरी व बोर का स्टार्टर चोरी कर ले गए। जांच अधिकारी एएसआई जसबीर सिंह ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक चालक काबू, 980 ग्राम चूरा पोस्त बरामद

कैथल। थाना सदर पुलिस द्वारा एक ट्रक चालक को काबू कर उसके कब्जे से 980 ग्राम चूरा पोस्त बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सदर एसएचओ एसआई कुलदीप सिंह की अगुवाई में एसआई सतीश कुमार अपनी टीम के साथ अपराध की रोकथाम के लिए गश्त पर मौजूद थे। इस दौरान एक गुप्त सूचना मिली की अबोहर फाजिल्का पंजाब निवासी गुरचरण सिंह नामक व्यक्ति ट्रक चालक है, तथा वह चूरा पोस्त की तस्करी करता है और अपने ट्रक में नशीला पदार्थ लेकर तितरम की तरफ से एनएच 152 के रास्ते चीका की ओर जाने वाला है। जिसे नाकाबंदी करके काबू किया जा सकता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए हिसार चंडीगढ़ रोड एनएच 152 पर गांव क्षेत्र के पास नाकाबंदी की गई ।

बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विशेष अनुदान योजनाएं

कैथल। प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से बागवानी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न विशेष अनुदान योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं के माध्यम से सब्जियों, मशरूम एवं आधुनिक तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर अधिक लाभकारी विकल्प अपना रहे हैं। डीसी अपराजिता ने बताया कि सब्जियों की खेती पर किसानों को 15,000 से 25,500 रुपये प्रति एकड़ तक का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके अलावा, बांस आधारित सब्जी उत्पादन पर 31,250 से 53,125 रुपये तथा आयरन स्टेकिंग तकनीक पर 70,500 से 1,19,850 रुपये तक की सहायता प्रदान की जा रही है। प्लास्टिक मल्चिंग के लिए 2 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से अनुदान भी उपलब्ध है। मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मशरूम झोपड़ी निर्माण पर 22,500 से 25,500 रुपये तथा मशरूम ट्रे पर 15,000 से 25,500 रुपये प्रति किसान की सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही बागवानी मशीनरी एवं उपकरणों की खरीद पर लागत का 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।

समाजसेवी राजेंद्र ने राजकीय स्कूल को दिया स्मार्ट इन्वर्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

गांव खानपुर निवासी समाज सेवी राजेंद्र कुमार ने अपने पुत्र को इटली में स्थायी निवास मिलने की खुशी में खानपुर के राजकीय स्कूल को 3.30 किलोवाट क्षमता का अत्याधुनिक स्मार्ट इन्वर्टर दान स्वरूप भेंट किया। इस पुनीत कार्य के लिए विद्यालय परिवार द्वारा उनका भावपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह में स्कूल के डीडीओ हरपाल सिंह, विद्यालय संचालिका रेखा देवी, समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने राजेंद्र कुमार का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। हरपाल सिंह ने कहा राजेंद्र कुमार द्वारा दिया गया यह स्मार्ट इन्वर्टर हमारे स्कूल के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। गर्मियों में बार-बार होने वाली बिजली कटौती के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित होती थी।

'स्कूल रेडिनेस' कोर्स में डॉ. विजय चावला ने देश में पाया चौथा स्थान

कैथल। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक और उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आरोही स्कूल ग्योंग के हिंदी प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार चावला ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा दीक्षा पोर्टल पर आयोजित 'स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम' (फेज-2) कोर्स में पूरे देश में चौथा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि किसी भी सशक्त भवन की मजबूती उसकी नींव पर निर्भर करती है, और इसी विचारधारा के साथ 'स्कूल रेडिनेस' कार्यक्रम तैयार किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए 'विद्या प्रवेश 2026-27' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है, जो कक्षा-1 के विद्यार्थियों के लिए 12 सप्ताह का आधारभूत कार्यक्रम है। यह बच्चों के संज्ञानात्मक, भाषाई एवं सामाजिक विकास को सुदृढ़ बनाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए दीक्षा पोर्टल पर नवीनतम शैक्षणिक कैलेंडर और विस्तृत मैनुअल भी उपलब्ध कराए गए हैं।

खबर संक्षेप

दहेज प्रथा समाज के विकास में बाधाः अरोड़ा

सीवन। पीएम राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीवन में शनिवार को राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, गुरुग्राम के निर्देशानुसार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य हरदयाल अरोड़ा एवं स्कूल इंचार्ज आशा ने विद्यार्थियों को दहेज प्रथा और इको क्लब मिशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जो समाज के विकास में बड़ी बाधा है। इसे समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को एकजुट होकर प्रयास करने की आवश्यकता है। साथ ही बढ़ती गर्मी को देखते हुए विद्यार्थियों को जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की रक्षा करने तथा उनके लिए पानी की उचित व्यवस्था करने के लिए प्रेरित किया गया। इको क्लब इंचार्ज गुरुदेव सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि 22 अप्रैल 2026 को विद्यालय में सेव अर्थ, सेव वाटर, सेव एनर्जी एवं बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी विद्यार्थियों से उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर डॉ वत्सला मोहन ने विद्यार्थियों को दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूकता की शपथ दिलवाई।

जिले में गैस व तेल की आपूर्ति सामान्य

कैथल। डीएफएससी वरिंदर सिंह ने कहा कि जिला में एलपीजी गैस, पेट्रोल व डीजल आदि सभी पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। केवल आवश्यकता अनुसार ही खरीदारी करें, ताकि व्यवस्था सुचारू बनी रहे। जमाखोरी या ब्लैक मार्केटिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति भी जरूरत अनुसार की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले की 20 गैस एजेंसियों पर घरेलू सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। 17 अप्रैल को 3538 सिलेंडर स्टॉक में थे, दिन के दौरान 6220 नए सिलेंडर प्राप्त हुए और कुल 4887 सिलेंडर उपभोक्ताओं को वितरित किए गए। इसके बावजूद 4871 सिलेंडर शेष हैं, जो स्थिति की पर्याप्तता को दर्शाता है। इसी प्रकार जिले में 775 व्यावसायिक सिलेंडर स्टॉक में हैं और 132 ओर आने वाले हैं। वहीं 11649 पीएनजी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस सप्लाई उपलब्ध करवाई जा रही है। मार्च महीने में 1130 नए पीएनजी कनेक्शन जारी किए गए हैं। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक कार्यालय में स्थापित यह कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से सायं 8:00 बजे तक कार्य करता है।

पीएम स्वनिधि योजना देश में बदल रही छोटे व्यापारियों व कारोबारियों की तस्वीर

कैथल। रेहड़ी-पटरी संचालकों और छोटे व्यापारियों के लिए प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना एक सशक्त सहारा बनकर उभरी है। इस योजना के माध्यम से बिना गारंटी के ऋण, ब्याज में छूट और डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देकर लाखों छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। डीसी अपराजिता ने बताया कि योजना का उद्देश्य उन स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक मजबूती देना है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि छोटे व्यापारियों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से भी जोड़ती है। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को चरणबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया जाता है। पहले चरण में 15,000 रुपये, समय पर भुगतान करने पर दूसरे चरण में 25,000 रुपये और तीसरे चरण में 50,000 रुपये तक का ऋण बिना किसी गारंटी के दिया जाता है। समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सब्सिडी सीधे उनके बैंक खातों में दी जाती है। डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए योजना में डिजिटल लेनदेन को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया है।

ओएसडीएवी विद्यालय के प्रांगण में श्रद्धापूर्वक मनाई महात्मा हंसराज की 162वीं जयंती

कैथल। ओएसडीएवी विद्यालय कैथल के प्रांगण में डीएवी संस्थाओं के संस्थापक और महान शिक्षाविद महात्मा हंसराज की 162वीं जयंती अत्यंत हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर स्थित यज्ञशाला में आयोजित एक विशेष वैदिक हवन के साथ हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पवित्र आहुतियां अर्पित कीं। इस अवसर पर मंत्रोच्चारण के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। हवन के माध्यम से महात्मा हंसराज की त्यागपूर्ण और सेवाभावी जीवन यात्रा को याद किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्या अंजु तलवाड ने कहा कि महात्मा हंसराज का जीवन त्याग, सादगी और निस्वार्थ सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

किठाना स्कूल में दहेज प्रथा के विरुद्ध छात्रों ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), हरियाणा के निर्देशानुसार किठाना पब्लिक स्कूल में शनिवार को प्रातःकालीन सभा के दौरान दहेज प्रथा के विरुद्ध शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति के प्रति जागरूक करना तथा उनमें नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुमन ढांडा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दहेज प्रथा के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया।सभा के दौरान विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में न तो दहेज लेंगे और न ही देंगे, तथा अपने परिवार और समाज में भी इस कुरीति के खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे। इस दौरान शिक्षकों ने बताया कि दहेज प्रथा समाज में असमानता, आर्थिक बोझ और पारिवारिक तनाव को बढ़ावा देती है, जिससे समाज का संतुलन बिगड़ता है।

आदर्श स्कूल में 'मेरा हुनर' टैलेंट शो में बच्चों ने प्रस्तुत की बहुमुखी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

आदर्श स्कूल जाखौली में विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'मेरा हुनर' टैलेंट कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अपनी कला और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्रधानाचार्य ओ.पी. शर्मा का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला। इस अवसर पर शिव शंकर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जाखौली के प्राचार्य रमेश सोंगल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में रमेश सोंगल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा अवश्य होती है, जिसे पहचानने और निखारने की आवश्यकता होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, कविता पाठ और भाषण जैसी विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रत्येक प्रस्तुति में बच्चों की मेहनत, लगन और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

राजौंद। सम्मान समारोह में टॉपर नेहा व अन्य मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए विद्यालय प्रबंधन व प्रधानाचार्य प्रियंका।

अमर पब्लिक स्कूल किठाना में मेधावी छात्रों का सम्मान, नेहा ने 94.2% अंक लेकर किया टॉप

राजौंद। अमर पब्लिक स्कूल किठाना में दसवीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सराहा गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्रा नेहा ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और स्कूल टॉपर बनी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा नेहा को 11 हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मेरिट सूची में नेहा के अलावा गरिमा, निकिता, कुसुम, शगुन, अरीन, तमन्ना और कृष ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विशेष रूप से अरीन ने अंग्रेजी विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि कुसुम ने कंप्यूटर विषय में 99 अंक हासिल किए। इन विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने अन्य छात्रों को भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रियंका ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि इस सफलता के पीछे शिक्षकों का मार्गदर्शन, अभिभावकों का सहयोग और विद्यार्थियों की मेहनत का महत्वपूर्ण योगदान है।

खेल सीवन में पहली हरियाणा टेप बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ

खेलों से जुड़ कर युवा नकारात्मक प्रवृत्तियों से हो रहे दूर : देवेंद्र हंस

बच्चों में खेलों के माध्यम से अनुशासन व टीम भावना के गुण होते है विकसित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन। प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते विधायक देवेंद्र हंस।

सीवन के दशहरा मैदान में 3 दिवसीय पहली हरियाणा टेप बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ हल्का गुहला विधायक देवेंद्र हंस ने किया। यह आयोजन सीवन स्पोर्ट्स सोसाइटी कि और से किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक देवेन्द्र हंस ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विधायक देवेंद्र हंस ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम हैं। खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और संघर्षशीलता जैसे गुण विकसित होते हैं, जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता दिलाने में सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और खिलाड़ी जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। विधायक ने युवाओं को खेलों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे वे नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रहते हैं और अपनी ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करते हैं। खेल गतिविधियाँ आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ स्वस्थ व सशक्त समाज के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाती हैं।उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि भविष्य में भी क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। खेल सुविधाओं के विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

पांच दिवसीय स्व.गणना जागरूकता सेमिनार शुरू

जींद। राजकीय पीजी कालेज में शनिवार को पांच दिवसीय सेल्फ एन्यूमरेशन स्वगणना जागरूकता सेमिनार का शुभारंभ हुआ। यह विशेष अभियान 18 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक महाविद्यालय के विभिन्न वर्गों के लिए आयोजित किया जाएगा। मुख्य उद्देश्य स्टाफ एवं विद्यार्थियों को आगामी सेंसस ऑफ इंडिया 2027 के अंतर्गत स्व.गणना की ऑनलाइन प्रक्रिया से अवगत कराना है। अध्यक्षता प्राचार्य सत्यवान मलिक ने की। यह विशेष अभियान 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक कालेज के विभिन्न वर्गों के लिए आयोजित किया जाएगा। जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते कहा कि सेंसस ऑफ इंडिया 2027 देश की भावी नीतियों, विकास योजनाओं तथा संसाधनों के वैज्ञानिक एवं संतुलित वितरण का आधार है।

मारपीट व गाली-गलौज करने पर तीन नामजद

जींद। गांव भिड़ताना में व्यक्ति के साथ मारपीट करने तथा उसकी परिजनों के साथ गाली गलौज करने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। भिड़ताना निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति की गांव के बबलू से कहासुनी हो गई। जिस पर बबलू, रविंद्र तथा धर्मबीर ने उसके पति के साथ मारपीट की और उन्हें जातिसूचक गालियां दी।

जबरन गेहूं की फसल काटने पर मामला दर्ज

जींद। गांव देवरड़ में जमीन विवाद के चलते खेत से जबरन गेहूं फसल कटाई करने पर जुलाना थाना पुलिस ने दो लोगों को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ चोरी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव देवरड़ निवासी राधेश्याम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पड़ोसी भीम, मुख्यतार के साथ जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। गत 14 अप्रैल को आरोपितों ने उसके खेत से जबरन गेहूं फसल की कटाई कर ली। जब उसने विरोध किया तो आरोपितों ने जान से मारने की धमकी दी।

रंजिशन हमला करने पर 11 लोगों के खिलाफ केस

जींद। गांव सिंध्वीखेड़ा में रंजिशन कार से टक्कर मार बाइक से गिराने तथा हमला कर घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सिंध्वीखेड़ा निवासी राजकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के ही सुरेंद्र परिवार ने उसके पुराने का बाथरूम तोड़ दिया। जिसको लेकर उसकी कहासुनी हो गई। दोपहर बाद वह बाइक पर अपने पुराने मकान पर जा रहा था। उसी दौरान सुरेंद्र परिवार ने पीछे से कार की टक्कर मार कर गिरा दिया और कार चढ़ाने की कोशिश की।

सामने आई कांग्रेस की महिला विरोधी मंशा

उचाना। भाजपा जिला सचिव एवं पूर्व ब्लॉक समिति चेयरपर्सन सतीशा देवी ने कहा कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का चेहरा पूरे देश के सामने आ गया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक, जो देश की महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त करता है, उसे नारी विरोधी गठबंधन द्वारा पारित न होने देना नारी शक्ति के साथ अन्याय है। इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध करना, उसे गिराना और उस पर जश्न मनाना न केवल निंदनीय है बल्कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के खिलाफ भी है।

अगर आज करें शादी तो साथ रखें आयु का प्रमाण पत्र, जिला प्रशासन अलर्ट

अक्षय तृतीया (अखा तीज) को लेकर सब बुक, सब फुल, ज्वैलर्स से लेकर फोटोग्राफरों तक को फुर्सत नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अक्षय तृतीया (अखा तीज) रविवार को है। जिलाभर में रविवार को विवाह समारोहों की धूम रहेगी और युवा भी खूब विवाह बंधन में बंधेंगे। ऐसे में अक्षय तृतीया पर होने वाले सामूहिक विवाह की आड़ में कुछ बाल विवाह भी हो सकते हैं। जिसके चलते अगर आज आपके घर या परिवार में किसी की शादी है तो शादी की रस्मों को अदा करने के साथ-साथ दुल्हा व दुल्हन की आयु का प्रमाण पत्र भी साथ रखना अनिवार्य होगा। जिला में रविवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर होने वाली शादियों पर जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम की विशेष नजरें

रहेगी। लड़के की आयु 21 वर्ष से कम तथा लड़की की आयु 18 वर्ष की आयु से कम पाई जाती है तो कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके साथ-साथ अब बाल विवाह के केस में पोक्सो एक्ट का केस दर्ज करवाने का प्रावधान भी

विशेष टीमें गठित : रवि लोहान

जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी के दिशा-निर्देशन में बाल विवाह रोकने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। हालांकि जिले में बाल विवाह पिछले वर्षों के मुकाबले घट रहे हैं जोकि लोगों की जागरूकता के कारण ही संभव हुआ है। बाल विवाह से संबंधित सूचना तुरंत महिला हैल्पलाइन नंबर 181, 112 नंबर या 8814011559 पर दें।

कर दिया गया है। अक्षया तृतीया रविवार को है और यह वह दिन होता है, जिसमें शादी के लिए पंडित से मुहुर्त निकलवाने की जरूरत नहीं होती। रविवार को जींद जिले में सैंकडों शादियां शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में होने जा रही हैं। इन शादियों को लेकर तमाम होटल, बैंक्वट हाल और धर्मशालाएं बुक हैं। यह बुकिंग-डे एंड नाइट की है। पार्कों तक में उन लोगों ने शादी के लिए टैंट लगा दिए हैं, जो बैंक्वट हाल या धर्मशाला की बुकिंग नहीं करवा पाए। एक-एक पार्क में टैंट लगाए गए हैं। गलियों में भी जगह मिली है तो वहां शादी के लिए टैंट लगाए गए हैं। फोटोग्राफर की बुकिंग पहले हो चुकी है। वह भी कई-कई बुकिंग उठा चुके हैं। टैक्सी वालों ने भी दिन के लिए अलग और रात के लिए अलग बुकिंग कर ली

अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया : शास्त्री

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि इस बार 19 अप्रैल को पड़ रही अक्षय तृतीय बेहद खास रहने वाली है। ग्रहों की स्थिति के अनुसार कई शुभ योगों का निर्माण इस दिन हो रहा है। इस दिन त्रिपुष्कर योग से लेकर गज केसरी योग, मालव्य योग, लक्ष्मी नारायण योग, रवि योग, अक्षय योग आदि बन रहे हैं। इन सभी योगों के कारण इस दिन का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। मान्यता है कि इस शुभ अवसर पर मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा करने से विशेष कृपा प्राप्त होती है। जिससे घर में सुख व शांति आती है और धन व समृद्धि में वृद्धि होती है। इस दिन सोना, चांदी या अन्य कीमती वस्तुएं खरीदना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। क्योंकि इसे स्थायी समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वहीं भगवान परशुराम की जयंती भी इसी दिन मनाई जाती है और उनकी पूजा अर्चना की जाती है।

है। मनमाने रेट पर यह बुकिंग हुई हैं। इसी तरह हलवाई भी बेहद व्यस्त हैं। एक-एक हलवाई के पास कई-कई बुकिंग हैं। वहीं होटलों में डे एंड नाइट की बुकिंग शादी को लेकर हो चुकी है। तमाम बैंकेट हाल की यही हालत है। धर्मशाला तक खाली नहीं हैं। प्रदीप ज्वैलर्स के प्रदीप भोला ने बताया कि सोने के रेट बढने के बावजूद रविवार को अक्षय तृतीया को लेकर ज्वैलर्स के पास अच्छे आर्डर आए हैं। यह मुहुर्त ज्वैलर्स के लिए अच्छा रहता है। इसी तरह बत्तख चौंक के पास के फूल वाले दीपक का कहना है कि अक्षय तृतीय को लेकर गाड़ी सजाने के लिए एडवांस बुकिंग है। सुबह ही गाडिय़ों को सजाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। फूल बेचने वालों से लेकर दुल्हे की कार सजाने वालों को सांस लेने की फुर्सत नहीं होगी। वहीं हलवाई राजेश का कहना है कि अक्षय तृतीय पर्व को लेकर तीन-तीन जगह बुकिंग ली हुई है।

विधायक ने 5.32 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास व उद्घाटन

घसो के आरोही स्कूल में 2.76 करोड़ से बनेगा गर्ल्स हॉस्टल

विधायक का गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

हॉस्टल में 40 कमरे होंगे और निर्माण निर्धारित क्षेत्र में होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

उचाना विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि विकसित उचाना के सपने को पूरा करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जो विश्वास उचाना की जनता ने जताया है, वो उस पर खरा उतरने का काम कर रहे हैं। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री शनिवार को उचाना हलके के चार गांवों में 5.32 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। कहा कि अब से पहले उचाना के लोगों को चंडीगढ़, दिल्ली में जाकर लाइनों में लग कर मिलना पड़ता था। वहां जाने के बाद ये देखना पड़ता था कि जिनसे मिलने गए हैं, उसका मूड कैसा है। आठ से 10 हजार रुपये खर्च हो जाते थे। सुबह लोग घर से निकलते थे रात को घर आते थे। जिस काम के लिए गए हैं, वो काम

उचाना। विभिन्न कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास करते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

विधायक ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सरकार इस क्षेत्र पर निरंतर ध्यान दे रही है। वे स्वयं समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करते हैं और समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करते हैं। विधायक अत्री ने उचाना के विकास के अपने वादे को दोहराते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने 18 फरवरी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उचाना में हुई विकास रैली का भी जिक्र किया। जिसे उन्होंने उचाना के इतिहास की सबसे बड़ी रैली बताया। कहा कि मुख्यमंत्री ने रैली में रखी गई मांगों को मंजूरी दी है। उचाना हलके को 49 साल हो चुके हैं लेकिन पहले विकास पर ध्यान नहीं दिया गया और लोगों को केवल चुनाव के समय याद किया जाता था। इस मौके पर संदीप चहल, सुरेंद्र खरकभूरा, सतीश जांगड़ा, संजय चहल, श्रवण मांडी, सतबीर शर्मा, काला छात्तर, एडवोकेट अजय, रमेश राणा, सत्यवान दुर्जनपुर, रामचंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

होगा या नहीं ये भी पक्का नहीं होता था। अब समय बदल गया है। उचाना हलके के मतदाताओं ने विधानसभा भेज कर सेवा का अवसर दिया है। सप्ताह में कोशिश रहती है कि पांच दिन लोगों के बीच रहूं। उन्होंने बताया कि शनिवार को दो करोड़ 56 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और घसो के आरोही स्कूल में दो करोड़ 76 लाख रुपये की लागत से बनने वाले गर्ल हॉस्टल का भूमि पूजन शामिल है। उद्घाटन किए गए विकास कार्यों में घसो कलां, घसो खुर्द, करसिंधु और छात्तर गांवों में गलियों, चौपालों और पशु अस्पताल में कमरों का निर्माण शामिल है। विधायक के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। विधायक ने बताया कि उचाना ब्लॉक के घसो स्थित आरोही स्कूल में छात्राओं के लिए 100 बेड का गर्ल हॉस्टल बनाया जाएगा। इस हॉस्टल में 40 कमरे होंगे और इसका निर्माण निर्धारित क्षेत्र में होगा। आरोही स्कूल कुल सात एकड़ में फैला हुआ है। इस मौके पर एसडीएम रमित यादव, बीडीपीओ शमशेर नैन सहित पंचायत विभाग और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उचाना कलां के जल घर में एक करोड़ की लागत से बन रहा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट

उचाना। उचाना कलां के खेड़ी मंसानिया रोड पर बने जलघर के टैंकों में अब बरसोला माइनर से नहरी पानी पहुंचेगा। यहां पर जो पहले पाइप लाइन थी वो कंडम होने के चलते नहरी पानी टैंकों में नहीं पहुंच पाता था। उचाना कलां-उचाना खुर्द रोड पर बरसोला माइनर से खेड़ी मंसानिया रोड पर बने जलघर तक 80 लाख रुपये के कीब की राशि खर्च करके 1750 मीटर पाइप लाइन बिछाई गई है। जिससे नहरी पानी टैंकों में पहुंचेगा। यहां पर डब्ल्यूटीपी (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) भी बन रहा है। करीब एक करोड़ से बनने वाले डब्ल्यूटीपी की क्षमता हर रोज 25 लाख लीटर पानी को फिल्टर करने की है। जलघर में पहले फिल्टर वाटर के स्टोरेज के लिए जो टैंक थे वो सात लाख लीटर के थे। यहां पर करीब 13 लाख रुपये खर्च करके एक टैंक भी बनाया गया है। नए टैंक में दो लाख लीटर पानी स्टोर हो सकेगा। अब नौ लाख लीटर फिल्टर पानी यहां स्टोर हो सकेगा। गौरतलब है कि उचाना कलां जलघर सबसे पुराना है।

कैथल। नशा तस्कर पिता-पुत्र पुलिस गिरफ्त में।

180 ग्राम अफीम सहित आरोपी पिता-पुत्र दबोचे

- नाकाबंदी के दौरान पुलिस पर गाड़ी से हमला कर भागने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

चौकी रामथली पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश करने वाले आरोपी पिता-पुत्र को 180 ग्राम अफीम सहित काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि चौकी रामथली पुलिस प्रभारी एसआई राजबीर सिंह की टीम गश्त दौरान गुहला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि एक सिल्वर रंग की क्रेटा गाड़ी में सवार व्यक्ति नाजायज असला लेकर खरका की तरफ से आकर चीका की ओर जाएगा। जिसे नाकाबंदी कर अवैध असले सहित काबू किया जा सकता है। सूचना को गंभीरता से लेते तुरंत दो पुलिस पार्टियां गठित कर गुहला-चीका रोड पर नाकाबंदी की गई। कुछ समय बाद संदिग्ध क्रेटा गाड़ी दिखाई दी, जिसे रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने की बजाय तेज रफ्तार से भागने का प्रयास किया और पीछे खड़ी पुलिस गाड़ी को टक्कर मार दी। इतना ही नहीं, चालक ने पुलिस कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी भी दी और बार-बार गाड़ी से टक्कर मारकर रास्ता बनाने की कोशिश की। पुलिस द्वारा दोनों तरफ से घेराबंदी करने पर गाड़ी बीच में फंस गई। इसी दौरान गाड़ी में सवार दो व्यक्तियों ने पास रखी पारदर्शी पालीथिन में मौजूद नशीले पदार्थ को निगलने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस कर्मियों की सतर्कता के चलते तुरंत कार्रवाई करते दोनों के मुंह से पदार्थ बरामद कर लिया । दोनों की पहचान साधा राम तथा उसके पुत्र गुरमुख दोनों निवासी डेरा बाजीगर चाणचक के रूप में हुई। जांच के दौरान गुरमुख सिंह के पास से 95 ग्राम तथा साधा राम के पास से 85 ग्राम अफीम बरामद हुई।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा घायल

कैथल। जाखोली में सड़क हादसे में करीब 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौप दिया। मृतक युवक के दोस्त फ्रांसवाला के सौरभ ने तितरम पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार को वह अपने साथी राहुल के साथ बाइक पर सवार होकर सफीदों गए थे। वहां से काम पूरा कर सायं को जब वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव से जाखोली के पास पहुंचे, तो अज्ञात कार के ड्राइवर ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते टक्कर मार दी। हादसे में राहुल को काफी चोटें आई। बाद में उन चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। बताया कि राहुल के परिवार में उसके माता-पिता के अलावा एक छोटा भाई है।तितरम थाना के जांच अधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

संदिग्ध हालात में दो युवतियां लापता

जींद। जिले में दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस मामलों की जांच कर रही है। गांव खोखरी निवासी एक युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 16 अप्रैल को उसकी बहन घर से गायब हो गई।

दिल्ली-बठिंडा रेलमार्ग पर सफर करने वाले यात्रियों की मई में बढ़ेगी परेशानी

- मई माह में इस रूट पर चलने वाली छह पैसेंजर ट्रेन रद्द रहेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दिल्ली-बठिंडा रेलमार्ग पर सफर करने वाले यात्रियों की परेशानी बढने वाली मई माह में बढने जा रही है। मई माह में इस रूट पर चलने वाली छह पैसेंजर ट्रेन रद्द रहेंगी वहीं आठ ट्रेन दिल्ली की बजाय शकूरबस्ती से लौटेंगी। इसके अलावा पांच ट्रेनों के रूट में बदलाव होगा। इस रूट पर चलने वाली पांच ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। यह निर्णय किशनगंज रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक मरम्मत और रखरखाव कार्य के चलते लिया गया है। इस अवधि के दौरान ट्रैक की मरम्मत, स्लीपर बदलने और सिग्नल प्रणाली को दुरुस्त करने का काम किया जाएगा ताकि भविष्य में ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और सुचारु रूप से हो सके। हालांकि इस कार्य के चलते कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। ट्रेनों के रद्द होने से सबसे ज्यादा परेशानी दैनिक यात्रियों और लंबी दूरी के सफर करने वाले यात्रियों को होगी। पहले से टिकट बुक करवा चुके यात्रियों को अब अपनी यात्रा योजनाओं में बदलाव करना पड़ेगा। कई यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ेगाए जिससे उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ भी पड़ेगा। सीपीआरओ नई दिल्ली अजय माइकल ने बताया कि दिल्ली-बठिंडा रूट पर पांच से 14 मई तक किशनगंज स्टेशन के पास मरम्मत का कार्य होगा।

एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर 8 लाख ठगे

- बहाने बनाकर व्हाट्सएप व फोन के जरिए पैसे मांगता रहा आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सीवन में गांव रामनगर भूना में युवती को सरकारी कोटे में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर 8 लाख रुपये की ठगी कर ली। सीवन थाना पुलिस ने युवती की मां की शिकायत पर एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में रामनगर भूना के मनजीत कौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बेटी मुस्कान ने मोहाली स्थित कोचिंग संस्थान से की नीट परीक्षा की तैयारी थी, लेकिन कम अंक आने के कारण उसे

कार्ड की लीमिट बढ़ाने का झांसा देकर 1.80 लाख का चूना

जींद। साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को क्रेडिट कार्ड की लीमिट बढ़ाने तथा रिवार्ड प्वायंट को कैश में बदलवाने को झांसा देकर एक लाख 80 हजार रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।संत नगर निवासी नवीन परूथी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने आईसीआईसीआई बैंक से क्रेडिट कार्ड बनवाया हुआ है। गत दस मार्च को उसके पास काल आई। जिसने खुद के बैंक की क्रेडिट शाखा से बताया। जिसने कहा कि बैंक की तरफ से ऑफर आया हुआ है। वह उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढवा देगा और जो रिवार्ड प्वायंट बनेंगे उसे कैश में बदलवा देगा। जिसके बाद आरोपित ने उसके व्हाट्सअप पर लिंक भेजा। जो मांगा गया उसने पूरी जानकारी भर दी।

एमबीबीएस में दाखिला नहीं मिल सका। इसके बाद परिचित के माध्यम से उसकी मुलाकात पंजाब के पटियाला निवासी अमन से हुई, जिसने खुद को मेडिकल कॉलेजों में संपर्क रखने वाला बताया। उसने उसकी बेटी का दाखिला कराने का झांसा दिया। आरोपी अमन ने अपने साथियों के जरिए सरकारी कोटे में दाखिला कराने का भरोसा दिलाया और अलग-अलग बहाने बनाकर व्हाट्सएप व फोन के जरिए पैसे मांगता रहा। उसके कहने पर अपने और बेटी के बैंक खातों से करीब 8 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। काफी समय बीतने के बाद भी जब दाखिला नहीं हुआ तो परिवार ने संबंधित संस्थानों से संपर्क किया। जहां पता चला कि कोई एडमिशन नहीं हुआ है। आरोपी अब भी फोन कर गुमराह कर रहा है। यही नहीं झांसा देने के दौरान आरोपी अमन ने यह कहकर दोबारा पढ़ाई में एडमिशन लेने से रोक दिया कि अब किसी अन्य कोचिंग सेंटर में पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उसका एमबीबीएस में दाखिला सुनिश्चित हो चुका है, 1-2 दिन में फाइल आ जाएगी। 8 माह बीत जाने के बाद भी कोई दाखिला नहीं हुआ। जांच अधिकारी एसआई संदीप कुमार ने बताया कि मामले में आरोपी अमन के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों-ठेकेदार की मिलीभगत से लाखों के गबन का आरोप

नपा में नाला घोटाला: जांच आदेशों की अनदेखी

- वार्ड नंबर 6 में देवी लाल पार्क मार्ग पर नाले के निर्माण के लिए लाखों रुपये की राशि जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला-चीका

चीका नगरपालिका एक बार फिर विवादों में घिर गई है। वार्ड नंबर 6 में विकास कार्यों के नाम पर कथित घोटाले का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पार्षद प्रतिनिधि सभालू जिंदल ने देवी लाल पार्क मार्ग पर प्रस्तावित नाले के निर्माण में बड़े स्तर पर धांधली और गबन का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोलते निष्पक्ष जांच की मांग की है। यूं है मामलाः

प्रशासन की चुप्पी खडा कर रही सवाल

मामले में अब तक संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सचिव स्तर पर भी जांच को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि उच्च अधिकारी समय रहते हस्तक्षेप नहीं करते, तो यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा। फिलहाल, यह मामला चीका शहर में चर्चा का केंद्र बना हुआ है और लोगों की नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

सभालू जिंदल के अनुसार, वार्ड नंबर 6 में देवी लाल पार्क मार्ग पर नाले के निर्माण के लिए लाखों रुपये की राशि जारी की गई। कागजों में यह कार्य पूरा दिखाया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। मौके पर न तो नाले का निर्माण हुआ है और न ही किसी प्रकार का कार्य दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना काम किए ही भुगतान कर दिया गया और यह पूरा मामला अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत का परिणाम है।

जिंदल ने विशेष रूप से नगरपालिका के जेई (कनिष्ठ अभियंता) और एमई (नगर अभियंता) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभालू जिंदल ने इसकी शिकायत उच्च स्तर पर की थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए निदेशालय ने जिला नगर आयुक्त (डीएमसी) कैथल को जांच के आदेश जारी किए। इसके बाद डीएमसी द्वारा नगरपालिका सचिव को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। हालांकि, आरोप है कि सचिव ने इन आदेशों को नजरअंदाज कर दिया और अब तक कोई ठोस जांच शुरू नहीं की गई है। इस कथित लापरवाही से स्थानीय लोगों में भी रोष बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

किरायेदारों-दुकानों पर लगे नौकर के वेरिफिकेशन में कोताही न बरतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल पुलिस ने जिले में रह रहे किरायेदारों व दुकान में काम करने वाले नौकरों की वेरिफिकेशन करवाने के लिए मकान/दुकान मालिकों को एडवाइजरी जारी की है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने बताया कि कई बार नौकर या किरायेदार द्वारा मालिक से झगड़ा, हत्या व चोरी आदि की वारदात होने की खबरें आती रहती हैं। कई अपराधी किसी अन्य शहर या राज्य में आपराधिक वारदात करके अपनी पहचान छुपा कर अन्य शहरों में किरायेदार बनकर रहते हैं। वहीं से अपना नेटवर्क चलाते हैं। इसके अलावा कई अपराधी मकान किराए पर लेकर शहर में वारदात करने के लिए रेकी करते हैं और मौका मिलते ही घटना को अंजाम देकर भाग जाते हैं। जब मकान मालिक से पुलिस द्वारा पूछताछ की

जाती हैं तो मकान मालिक के पास किरायेदार का कोई फोटो व मोबाइल नंबर व सही पता नहीं होता हैं। जिनका कोई अता पता नहीं होने के कारण वारदात को सुलझाने में भी दिक्कत आती है और अपराधी पुलिस की पकड़ से दूर हो जाता हैं। एसपी ने बताया कि किरायेदार/नौकर कोई अपराधी आपराधिक घटना को अंजाम न दे सके इसलिए अब मकान मालिक अपने किरायेदारों व नौकरों की वेरिफिकेशन करना सुनिश्चित करेंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

आवरण कथा / रजनी अरोड़ा

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

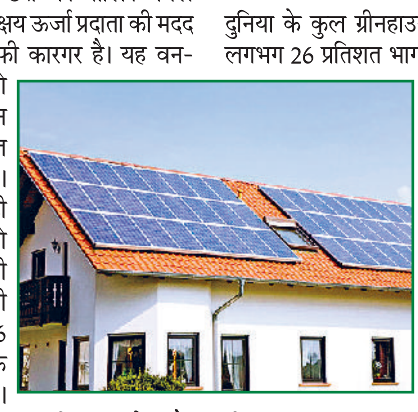

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

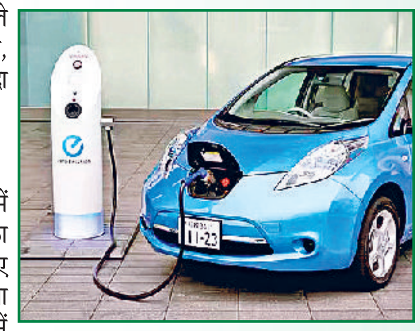

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

अवेयरनेस
लोकमित्र गौतम

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ता: पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआत: पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आज: पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकट: पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्ण: पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गलियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
टेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

व्यंग्य / पूरन सरमा

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें।

सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तक: चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादक:** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

मजदूर

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

हो सकता है आपने कुछ नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की यात्रा की हो। लेकिन अगर आप दुनिया के सबसे अनूठे नेशनल पार्क का अनुभव लेना चाहते है तो आपको मणिपुर स्थित तैरते हुए नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ की यात्रा करनी होगी। इस अनोखे नेशनल पार्क की विशेषताओं के बारे में जानिए।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ

टूरिस्ट प्लेस

समीर चौधरी

मणिपुर की लोकटक झील के दक्षिण हिस्से में कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क यानी राष्ट्रीय उद्यान है, जोकि दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में, इंफाल से लगभग 50 किमी. की दूरी पर यह पार्क 40 वर्ग किमी. में फैला हुआ है और यह लुप्तप्राय संगाई हिरण (नृत्य करने वाला हिरण) का अकेला प्राकृतिक घर है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था (मत्स्य पालन, जल विद्युत) के लिए भी मायने रखता है।

जैव-विविधता से भरपूर: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, जैवविविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह अपनी विशिष्ट तैरती फुमदिस और यहां खास तौर से पाए जाने वाले संगाई हिरण के लिए भी विख्यात है। फुमदिस सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और जड़ों का तैरता हुआ समूह होता है। यह झील के पानी के ऊपर तैरता रहता है, जिसमें 450 से अधिक जलीय वनस्पतियों की प्रजातियां, जंगली सूअर, हॉग हिरण, बड़ी भारतीय सिवेट जैसे जीव पाए जाते हैं। नवंबर से मार्च के बीच इस पार्क में प्रवासी पक्षी भी आते हैं, इसलिए यात्रा करने का यही सबसे अच्छा समय माना जाता है।

अपने-आप में अनूठा राष्ट्रीय उद्यान: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, एक ऐसी जगह है, जहां प्रकृति ने अपने नियम नए सिरे से लिखे हैं, जिसकी वजह से नाजुक, तैरता हुआ एक अजूबा भूखंड बन गया है। इस अलौकिक लैंडस्केप में मणिपुर का नृत्य करने वाला संगाई हिरण घूमता हुआ दिखता है, जिसके तेज गति से दौड़ते कदम, तैरते घास के मैदान पर बहुत आकर्षक लगते हैं। एक जमाना था जब यह माना जाने लगा था कि संगाई हिरण विलुप्त हो गया है। ऐसे में यहां उनके बचे रहने की संभावना ने नई उम्मीद को जगाया है, दरअसल, अनोखी प्राकृतिक संरचना फुमदिस की स्थिरता का यहां के जीवों के लिए बहुत महत्व है। न सिर्फ हिरण के लिए बल्कि उस पूरे ईकोसिस्टम के लिए भी, जो पृथ्वी पर कहीं और है ही नहीं।

बढ़ रही नाचते हिरण की संख्या: सन् 1954 तक यह मान लिया गया था कि संगाई हिरण की प्रजाति लुप्त हो गई है। संगाई तैरते फुमदिस के अतिरिक्त कहीं भी जीवित नहीं रह सकता है। इसकी वजह शिकार और फुमदिस का खत्म होना माना गया। इसके लगभग दो दशक बाद सन् 1974-75 के बीच किए गए हवाई सर्वे के दौरान उम्मीद की किरण जागी। कीबुल लामजाओ के तैरते फुमदिस में लगभग 14 संगाई देखे गए, जिसकी वजह से इनके संरक्षण प्रयासों में नया जोश आया और सन् 1995 तक इनकी संख्या बढ़कर 155 हो गई, जो सन् 2016 में 260 तक पहुंच गई। तैरते फुमदिस पर संगाई की नजाकत भरी चाल ने ही इसे 'नाचते हिरण' का नाम दिया है।

इसलिए मिला राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा: संगाई की खोज के बाद ही भारत सरकार और मणिपुर की सरकार ने वन्यजीवन संरक्षण कानून 1972 के तहत 1977 में कीबुल लामजाओ को 'राष्ट्रीय उद्यान' (नेशनल पार्क) घोषित किया। संगाई हिरण और उसके प्राकृतिक आवास स्थल यानी फुमदिस के लिए यह कानूनी सुरक्षा जरूरी थी। संगाई केवल एक प्रजाति नहीं है बल्कि सांस्कृतिक जड़ों वाला पशु है, जिसने हजारों वर्षों के दौरान तैरते फुमदिस पर रहने के लिए खुद को ढाल लिया है और यह लैंडस्केप व मणिपुर के लोगों के बीच गहरे संबंध को प्रतिबिंबित करता है।

मौजूद हैं कई चुनौतियां: इस अनोखे राष्ट्रीय उद्यान के समक्ष कई इकोलॉजिकल चुनौतियां हैं। लोकटक हाइड्रोइलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट कृत्रिम रूप से पानी के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे फुमदिस चक्र बाधित होता है और यहां के तैरते हुए ईकोसिस्टम की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न होता है। गौरतलब है कि कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान को परिभाषित करने वाला फीचर उसका तैरता इकोसिस्टम ही है, जो संगाई को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। एक ताजा अध्ययन में मणिपुर के इस आइकॉनिक हिरण के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से 2070 तक फुमदिस सिकुड़ जाएगा और जब फुमदिस नहीं होगा, तो संगाई का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। *

फुमदिस से जुड़े दिलचस्प तथ्य

फुमदिस वनस्पति, मिट्टी आदि की तैरती हुई मोटी परत होती है, जोकि जलीय पौधों और अन्य चीजों से मिलकर हजारों वर्षों में तैयार होती है। यह संगाई एवं अन्य वन्यजीवों को चरने की जगह, प्रजनन स्थल और आवास प्रदान करती है। दिलचस्प यह है कि फुमदिस प्राकृतिक जल चक्र है यानी यह झील के तले तक डूब जाती है पौष्टिक तत्व जज्ब करने के लिए। फिर कुछ समय बाद ऊपर उठ जाती है। यह चक्र उसके बने रहने के लिए आवश्यक है। फुमदिस केवल वनस्पति का टुकड़ा नहीं है बल्कि जीवित स्ट्रक्चर है। यह एक मोटी परत होती है, जिस पर बड़े जानवर भी रहते हैं। इस पर जो घास उगती है वह पूरे साल यहां निवास करने वाले वन्य जीवों को आवश्यक पौष्टिक तत्व प्रदान करती है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

कई बार लोग प्रतिभावान और क्षमतावान होते हुए भी एक सीमित दायरे से बाहर निकलकर कुछ बड़ा अचीव नहीं कर पाते। अगर लाइफ में कुछ बड़ा हासिल करना है तो अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे एक्सप्लोर करना जरूरी है। यह कैसे होगा, बता रहे हैं आपको।

अपनी छिपी स्ट्रेंथ को ऐसे करें एक्सप्लोर

हम अकसर अपने आपको एक मानसिक दायरे में बंद कर लेते हैं और फिर कुएं के मेंढक की तरह उस दायरे से बाहर निकलने की कोशिश ही नहीं करते। स्वयं द्वारा निर्मित अपनी मानसिक शारीरिक सीमाओं को अपनी वास्तविकता मान लेते हैं, जबकि वे केवल हमारे विचारों की उपज होती हैं। ऐसे में हम आगे नहीं बढ़ पाते। आगे बढ़ने और तरक्की करने के लिए जरूरी है अपनी क्षमता को एक्सप्लोर करना। इसका अर्थ है, अपने डर के पार जाना। जब आप स्वयं पर लगे 'लेबल' हटा देते हैं, तो आप पाते हैं कि आप उससे कहीं अधिक हैं, जितना आपने कभी सोचा था।

हमारे भीतर है असीमित क्षमता: हम अपनी क्षमताओं का केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल करते हैं। यह आपने अकसर पढ़ा या सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बाकी 90 प्रतिशत क्षमता का क्या होता है? वह बिना उपयोग के ही व्यर्थ के कामों में जाया हो जाती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इंसानी दिमाग की क्षमता का कोई अंत नहीं है। कैरोल ड्वेक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'माइंडसेट' में बताती हैं, 'ग्रोथ माइंडसेट' के साथ, हम अपनी क्षमता को असीमित रूप से विकसित कर सकते हैं। जब हम यह मानते हैं कि हमारी बुद्धिमत्ता और प्रतिभा को मेहनत और सीखने के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है, तो हम अपनी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ सकते हैं।' अब्राहम मैस्लो, जो मानवतावादी मनोविज्ञान के जनक माने जाते हैं, का मानना था कि हर इंसान में आत्म-वास्तविकीकरण की क्षमता होती है। यह वह अवस्था है, जहां हम अपनी पूरी क्षमता को पहचानते हैं और उसे हासिल करते हैं। उनके अनुसार, यह हम सभी की अंतर्निहित इच्छा होती है कि हम वह बनें, जो हम बनने के लिए सक्षम हैं।

लोगों का साथ लें: हमारी क्षमता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। आधुनिक समाजशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से एक एमिल दुर्खीम का मत है कि कि हम सामाजिक संबंधों और सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हमारे आस-पास के लोग, हमारी संस्कृति और हमारा सामाजिक माहौल हमारी क्षमताओं को आकार दे सकते हैं। दूसरों की मदद लेने से ही नहीं, उनकी मदद करने से भी हमारी क्षमताएं बढ़ती हैं। प्रमुख समाजशास्त्री मैक्स वेबर का मानना था कि अनुशासित और केंद्रित मेहनत, जो कि एक सामाजिक गुण भी है, से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं।

कैसे करें अपनी क्षमता को एक्सप्लोर: अपनी असीमित क्षमता को एक्सप्लोर करने के लिए सबसे पहले, यह विश्वास करें कि आप में कुछ भी हासिल करने की क्षमता है। कभी भी नई चीजें सीखना न छोड़ें। नई किताबें पढ़ें और निरंतर नए अनुभव प्राप्त करें। कभी भी हार न मानें। अपनी असफलताओं से सीखें और आगे बढ़ें।

दिमाग के लचीलेपन का इस्तेमाल करें: जीनियस पैदा नहीं होते, गहन अभ्यास से जीनियस बनते हैं। प्रतिभा विकसित की जा सकती है। हमारा दिमाग लचीला होता है। इसका नियमित उपयोग और दिमागी मशक्कत करने से इसकी क्षमता निरंतर बढ़ती है। इस संबंध में जिम क्विक अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'लिमिटलेस' में लिखते हैं, 'अपने दिमाग को अपग्रेड करें, कुछ भी तेजी से सीखें और अपने असाधारण जीवन को अनलॉक करें।' उनका कहना है कि हम अपनी सोच (माइंडसेट), प्रेरणा (मोटिवेशन) और तरीकों (मेथड्स) में बदलाव करके अपनी दिमागी क्षमताओं को असीमित कर सकते हैं, जिसमें सीमाओं को चुनौती देना, नींद को प्राथमिकता देना और लगातार अभ्यास करना शामिल है, ताकि हम तेजी से सीख सकें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मैं यह नहीं कर सकता, जैसे विचारों को 'मैं यह सीख सकता हूं' में बदलें। अपनी बुद्धि को स्थिर न मानें, यह बढ़ सकती है। *

अक्षय तृतीया विशेष

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है अक्षय तृतीया का पर्व। मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों का अक्षय फल मिलता है। इस पर्व की महत्ता, इससे जुड़ी परंपराओं और मान्यताओं पर एक दृष्टि।

शुभ कार्यों का अक्षय फल प्रदान करती अक्षय तृतीया

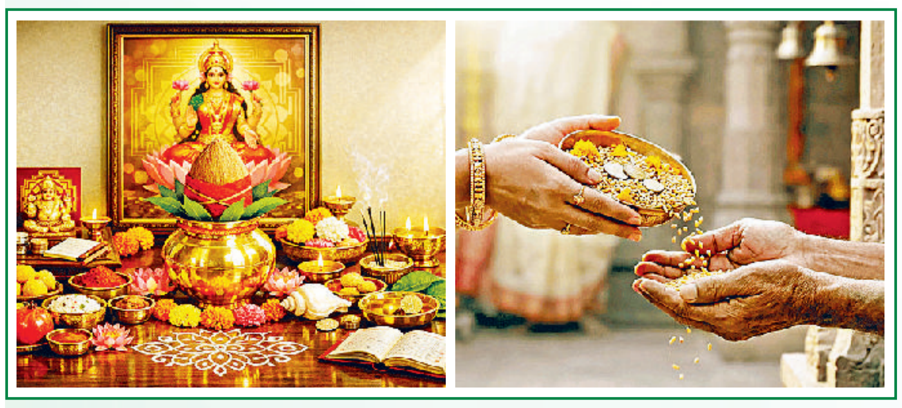

पर्व-संस्कृति

धीरज बसाक

भारतीय पंचांग में कुछ तिथियां पूरे जीवन-दर्शन को अपने भीतर समेटे रहती हैं। अक्षय तृतीया ऐसी ही एक विशिष्ट तिथि है, जो अक्षयता यानी कभी न समाप्त होने वाली ऊर्जा, पुण्य और समृद्धि का प्रतीक बनकर उभरती है।

धार्मिक-पौराणिक मान्यताएं: अक्षय तृतीया की तिथि का धार्मिक और पौराणिक आधार भी इसे विशेष बनाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का जन्म हुआ था, जो धर्म और न्याय की स्थापना के प्रतीक माने जाते हैं। यह भी मान्यता है कि इसी दिन वेदव्यास ने महाभारत की रचना आरंभ की थी, जो भारतीय सभ्यता के नैतिक और दार्शनिक आधारों को समझने का सबसे बड़ा ग्रंथ है और इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा द्वारा सच्चे भाव से दिए गए एक छोटे से दान के बदले उन्हें दो 'लोक' प्रदान कर दिए थे। इन सभी कथाओं का सार यही है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म कभी नष्ट नहीं होता।

सिखाती है जीने का संतुलित तरीका: भारतीय संस्कृति में यह विचार बहुत गहराई तक समाया हुआ है कि संसार की हर भौतिक वस्तु नश्वर है। लेकिन सत्कर्म, करुणा और धर्म के फल अक्षय होते हैं। अक्षय तृतीया इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जीवन में किए गए अच्छे कर्म, दान, सद्भाव कभी व्यर्थ नहीं जाते, वे किसी न किसी रूप में अक्षय बने रहते हैं। यह हमें केवल पूजा-पाठ की संस्कृति ही नहीं सिखाती बल्कि जीवन जीने का एक संतुलित और संवेदनशील तरीका भी सिखाती है।

कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन: अक्षय तृतीया पर्व जिस समय मनाया जाता है, वह रबी की फसल के पकने का समय होता है। खेतों में सुनहरी बालियां लहलहा रही होती हैं और किसान अपनी नई फसल को भगवान को अर्पित करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच संतुलन और सम्मान का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता के रूप में देखा गया है और अक्षय तृतीया, प्रकृति के उस मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

धार्मिक-सामाजिक-आर्थिक महत्व: अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने की परंपरा केवल भौतिक समृद्धि का प्रतीक नहीं है बल्कि इस विश्वास का प्रतीक भी है कि आज किया गया निवेश भविष्य में स्थाई फल देगा। नए कार्यों की शुरुआत, गृह प्रवेश और विवाह आदि के लिए इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। विशेष बात यह है कि इस दिन किसी विशेष मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि पूरा दिन ही शुभ-मुहूर्त वाला होता है।

दान-पुण्य और सेवा का संदेश: अक्षय तृतीया का महत्व केवल सोने-चांदी, आभूषणों या अन्य भौतिक वस्तुओं की खरीदारी तक ही सीमित नहीं है। इस दिन अन्न, जल, वस्त्र और कलश के दान करने की भी प्रथा है। गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को पानी पिलाना, भूखों को भोजन कराना, इस दिन ये सभी कार्य अत्यंत पुण्यदायी माने जाते हैं। ये परंपराएं हमें सिखाती हैं कि समाज में समृद्धि तभी अक्षय हो सकती है, जब हर किसी का उसमें हिस्सा हो। अक्षय तृतीया इसी सांस्कृतिक दर्शन के संतुलन का नाम है, जो बताती है कि सिर्फ भौतिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी उतना ही जरूरी है।

शुभ कर्मों से मिलता है अक्षय फल: अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति की उस गहरी परंपरा से नाता रखती है, जहां धर्म, अर्थ, प्रकृति और समाज, चारों का सुंदर समन्वय होता है। यह तिथि हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारे कर्म सही दिशा में हैं, तो उनका फल कभी समाप्त नहीं होगा। वास्तव में यही अक्षयता का वास्तविक दर्शन है। एक ऐसा जीवन, जिसमें अच्छाई निरंतर प्रवाहित होती रहे। इस प्रकार देखें तो अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन की आत्मा का मूल है, जो हमें सिखाती है- जो भी शुभ करो, वह सदा के लिए अक्षय हो जाता है। *

प्रवृत्ति

शाहिद ए. चौधरी

ज्ञान-संस्कृति-विचारों की नई खिड़की खोलती हैं किताबें

भले ही पढ़ने और लिखने की नई-नई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं, लेकिन किताबें हाथ में लेकर पढ़ने का सुख अनोखा होता है। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने और कॉपीराइट के प्रति जागरूक करने के लिए ही **23 अप्रैल को विश्व पुस्तक, कॉपीराइट दिवस** मनाते हैं। इस दिवस की महत्ता पर एक नजर।

किताबें खिड़की की तरह होती हैं, जिसमें से दिखाई देता है एक नया संसार। हर नए पृष्ठ के साथ किताबें परिचित कराती हैं- नए लोगों से, नई संस्कृतियों से और नए विचारों से। गांधीजी ने कहा था, 'विचारों के युद्ध में पुस्तक ही शस्त्र है।' शायद यही वजह है कि ई-बुक्स के इस दौर में भी अनेक लोगों को अच्छे कागज पर छपी, जिल्द में बंधी, किताब अपने हाथों में लेकर पढ़ना ही अच्छा लगता है। हालांकि ऐसे लोगों को शायद आज परंपरागत मूल्यों में यथास्थिति का पक्षधर माना जा सकता है। लेकिन इससे पुस्तकप्रेमियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किताबें पढ़ने की उनकी आदत जो बन गई है।

नई पीढ़ी हो रही किताबों से दूर

पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर एक पक्ष यह है कि रील्स और वीडियोज की आधुनिक चकाचौंध में गुम आज की पीढ़ी तो टेक्स्ट बुक्स की तुलना में नेट के वीडियो लेक्चर्स को वरीयता देती है। यह पीढ़ी किताब पढ़ने की बजाय ऑडियो-बुक्स को सुनना पसंद करती है। क्या पढ़ने और सुनने में समान एकाग्रता बनी रहती है और बराबर का ज्ञान मिलता है? इस पर बहस हो सकती है। बहरहाल, युवा पीढ़ी किताबों से जिस अंदाज से दूर हो रही है या उसे बंद कर रही है या उसे खोलना ही नहीं चाहती है, उस पर शम्स तबरेज का यह शेर याद आता है-

अजीब किस्म की उभरी थी शक्ल लफ्जों से
किताब बंद न करता तो डर गया होता।

इसलिए मनाते हैं विश्व पुस्तक दिवस

किताबों से बढ़ती दूरी की पृष्ठभूमि में यूनेस्को की कोशिश है कि लोग किताबों को खोलें, उन्हें पढ़ें, उनमें अपनी दिलचस्पी बढ़ाएं और ज्ञानी बनें, क्योंकि किताबों से बढ़कर कोई पक्का दोस्त नहीं होता। किताबें पीढ़ियों के बीच में और संस्कृतियों के बीच में पुल का काम करती हैं। इसी तथ्य को मान्यता प्रदान करने के लिए यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाता है।

इस वर्ष के लिए चयनित पुस्तक राजधानी

हर साल इस जश्न को मनाने के लिए यूनेस्को व पुस्तक उद्योग के मुख्य सेक्टर्स- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। चुना हुआ शहर सभी आयु वर्गों और सभी समाजों में किताबों और पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है, न सिर्फ मेजबान देश में बल्कि पूरे विश्व में। यूनेस्को ने अब तक 26 विश्व पुस्तक राजधानियां घोषित की हैं, जिनकी शुरुआत 2001 में मेड्रिड (स्पेन) से हुई थी। इस वर्ष 2026 की पुस्तक राजधानी रबात (मराकश) को चुना गया है। रबात में मेन फोकस, संस्कृतियों को जोड़ने में पुस्तकों की भूमिका पर होगा। इसके अलावा इस वर्ष पुस्तक दिवस का फोकस पढ़ने के साथ साक्षरता पर भी है, जिसमें पढ़ने के घंटे को भी प्राथमिकता दी गई है। आमतौर से शाम को 7 से 8 बजे तक का समय किताब पढ़ने के लिए मुफीद माना जाता है। यानी रोजाना कम से कम एक घंटा किताब पढ़ने की प्रवृत्ति विकसित की जाए, इस पर फोकस किया जा रहा है।

नई चुनौतियां भी कम नहीं

इसके अतिरिक्त इस बात पर भी गंभीर चर्चा हो रही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की लेखकों के लिए प्रकाशन और कॉपीराइट सुरक्षा में क्या भूमिका होनी चाहिए? यह गंभीर विषय है और पेचीदा भी। एआई कॉपीराइट की परवाह किए बिना किसी के भी कार्य को सार्वजनिक करने की क्षमता रखती है, जिससे लेखकों व प्रकाशकों को नुकसान की आशंका रहती है। लेकिन एआई को नियंत्रित करना भी आसान नहीं है। फिर भी कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही होगा। *

कॉपीराइट सुरक्षा पर भी केंद्रित है यह दिवस

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य कॉपीराइट सुरक्षा को भी प्रोत्साहित करना होता है, जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है। भारत में कॉपीराइट सुरक्षा 1957 के कॉपीराइट कानून से संचालित होती है, जिसके तहत स्वतः ही मूल साहित्य, नाटक, संगीत, सिनेमेटोग्राफ फिल्म्स/साउंड रिकॉर्डिंग्स सुरक्षित हो जाती हैं। सुरक्षा के लिए पंजीकरण आवश्यक नहीं है, लेकिन विवाद की स्थिति में प्रथम दृष्टया इसे साक्ष्य माना जाता है। कॉपीराइट सुरक्षा आमतौर से लेखक के जीवनकाल और उसके बाद अतिरिक्त 60 वर्षों तक लागू रहती है। यह 60 साल लेखक की मृत्यु के दिन से गिने जाते हैं। कानूनी साक्ष्य के लिए पंजीकरण करा लेना चाहिए, भले ही वह वैकल्पिक हो। इसके लिए कॉपीराइट ऑफिस में अप्लाई करना होता है। फोटोग्राफ, फिल्म, साउंड रिकॉर्डिंग, अज्ञात व सरकारी कार्य का कॉपीराइट प्रकाशन के बाद 60 वर्षों तक रहता है। इस दौरान लेखक को एक्सक्लूसिव अधिकार होता है, अपने कार्य के पुनः प्रकाशन, कापियां जारी करने, परफॉर्म करने, अनुवाद करने या एडॉप्ट करने का। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में दोनों दीवानी (मुआवजा), आपराधिक सजा (6 माह से 3 वर्ष की कैद और जुर्माना) का प्रावधान है। सेक्शन 52 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद हैं जैसे निजी प्रयोग, शोध, आलोचना, समीक्षा या रिपोर्टिंग।